वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2015-16

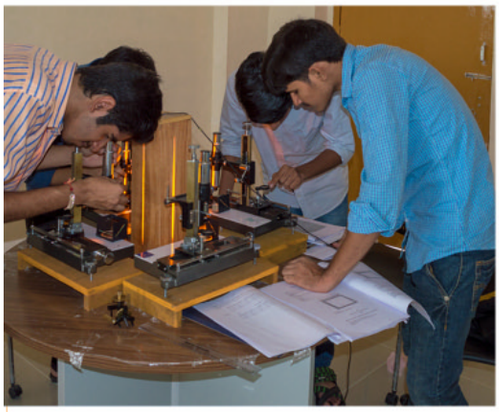

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY TIRUPATI

परामर्शदाता निदेशक का प्राक्थन

मुझे आईआईटी तिरुपति की पहली वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में अपार हर्ष हो रहा है। इस संस्थान तथा पालक्काड़ स्थित संस्थान का परामर्श आईआईटी मद्रास द्वारा किया जा रहा है। कुछ वर्षो पहले हैदराबाद में नए आईआईटी के सफल परामर्श में पहले से प्राप्त अनुभव के साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा की गई घोषणा के तुरंत पश्चात् समूची प्रक्रिया को आरंभ करना कठिन नहीं था। प्रोफेसर के.एन. सत्यनारायण को इस नए आईआईटी के प्रभारी प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रत्येक नया संस्थान उससे जुडी नई अनन्य चुनौतियां लाता है और इस चुनौतीपूर्ण कार्य में शामिल संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को प्रत्येक क्षण सामना करने वाले मुद्दों की समझ के लिए पर्याप्त रूप से संसाधनयुक्त होना आवश्यक होता है। समूची प्रक्रिया में शानदार पहलू प्रत्येक स्तर पर आंध्र प्रेदश की सरकार और स्थानीय प्रशासन के एक्जीक्यूटिव द्वारा आईआईटी मद्रास के संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को तिरुपति के मंदिर शहर में विश्वस्तर के संस्थान की स्थापना के साझे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिया गया समर्थन रहा।

पहला कार्य नए संस्थान के स्थान हेतु तिरुपति में अस्थायी परिसर की पहचान करना था। लगभग 62,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र वाली चार तल का एक भवन रेनीगंटा–तिरुपति मार्ग पर एक इंजीनियरिंग कॉलेज से किराये पर लिया गया। कॉलेज के प्रबंधन से रिकॉर्ड समय में हमारे सुझाव के अनुसार शिक्षण कक्ष, संकाय कक्ष, प्रयोगशालाएं, बैठक कक्ष, स्टाफ कक्ष, भोजनशाला सुविधा, लडको–लडकियों के लिए शौचालय आदि तैयार करने के लिए भवन में संशोधन करवाया गया। छात्रों के पहले बैच के कैम्पस में पहुंचने के साथ 5 अगस्त, 2015 को शैक्षिक कार्यक्रम आरंभ हुआ। लडको का छात्रावास अस्थायी परिसर से 13 किलोमीटर दूर तिरुपति में अलीपीरी के नजदीक श्री वेंकटश्वरा विश्वविद्यालय, 21वीं सदी का गुरुकुल से संबद्ध एक भवन में स्थित था। लडकियों के छात्रावास का प्रबंध आईआईएसईआर तिरुपति के साथ श्रीराम कॉलेज में उनके अस्थायी परिसर में किया गया जिसमें उनकी बालिकाओं के साथ साझा करने की सुविधा दी गई।

शैक्षिक दृष्टिकोण से हम आईआईटी मद्रास तथा अन्य आईआईटी के हाल ही में सेवानिवृत्त कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्यों की सेवा पाकर भाग्यशाली थे जोकि हमारे संस्थान में प्रवेश लेने वाले प्रतिभाशाली छात्रों के लिए नई पाठ्यचर्या तैयार करने और पढाने में नए संस्थान में कुछ वर्ष बिताने के इच्छुक थे। इस प्रकार छात्र दैनिक आधार पर उनके साथ ऐसे अनुभवी संकाय सदस्य पाकर सौभाग्यशाली थे जोकि उनसे काफी बडे आकार के पुराने आईआईटी में भी शायद संभव न हो। इसके अतिरिक्त आईआईटी मद्रास के कई संकाय सदस्यों ने भी प्रत्येक सप्ताह दो दिन विभिन्न पाठ्यक्रम पढाने के लिए तिरुपति तक यात्रा की। उन संकाय और स्टाफ सदस्यों की भावना को मानना वास्तव में काफी शानदार है जिन्होंने संस्था के निर्माण के इस विशाल कार्य में अपना उत्कृष्ट सहयोग दिया। मैं सभी स्टाफ और संकाय सदस्यों का उनके समर्थन के लिए प्रशंसा तथा आभार व्यक्त करना चाहूंगा।

स्थायी परिसर काफी महत्वपूर्ण है और राज्य सरकार ने येरपेडा के नजदीक मेरालपका गांव में लगभग 530 एकड सूरम्य भूमि की पहचान कर ली है। वर्तमान में चारदीवारी का निमार्ण कार्य प्रगतिरत है।

आईआईटी तिरुपति को 15 दिसंबर, 2015 को एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। यह हमारी संसद द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम में संशोधन के पश्चात् अगस्त, 2016 से आईआईटी परिवार का पूर्ण सदस्य बना। संकाय भर्ती का एक दौर पहले ही पूरा किया जा चुका है और सात युवा संकाय सदस्यों ने संस्थान में कार्यग्रहण किया है।

आईआईटी तिरुपति की ओर से मैं मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा शासी बोर्ड का संस्थान की उन्नति के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हूं।

दिनांकः 11 नवम्बर, 2016
स्थानः चैन्नई

प्रोफे. भास्कर राममूर्ती
परामर्शदाता निदेशक, आईआईटी तिरुपति

विशय–वस्तु

अध्याय 1: प्रस्तावना 1

अध्याय 2: अवसंरचना 5

अध्याय 3: भौक्षिक कार्यक्रम 13

अध्याय 4: संगठन 17

अध्याय 5: छात्र गतिविधियां 21

अध्याय 6: वित्तीय रिपोर्ट 27

अध्याय 1

प्रस्तावना

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) तिरुपति 2014 में घोषित आईआईटी में से 28 मार्च, 2015 को अपने स्थापना नींव रखने वाला पहला संस्थान है। इसमें शैक्षिक वर्ष 2015–16 से अपने परामर्शदाता संस्थान, आईआईटी मद्रास के सहयोग से कार्य करना आरंभ किया। वर्तमान में यह तिरुपति–रेनीगुंटा मार्ग पर अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है और मेरालपका गांव, येरपेडू मंडल, चित्तूर जिला, आंध्र प्रदेश में एक स्थान (लगभग 530 एकड) पर अगले तीन अथवा चार वर्षों में अपना स्वयं का परिसर स्थापित करने की योजना है।

सिविल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साईंस और इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में बी.टेक कार्यक्रम में छात्रों को प्रवेश देते हुए शैक्षिक कार्यक्रम अगस्त, 2015 में आरंभ हुआ। यह शैक्षिक कार्यक्रम संगत ज्ञान और कौशल प्रदान किए जाने पर केंद्रित था। इसमें लेक्चर, ट्यूटोरियल और प्रयोगशाला के माध्यम से थ्योरीटीकल और प्रयोगात्मक समझ दोनों पर ध्यान दिया गया था। कार्यक्रमों में नवाचार और सृजनात्मकता, टीम वर्क, संचार कौशल, नैतिकता तथा सामाजिक मेलमिलाप के पौषण की योजना भी बनाई गई थी। प्रौद्योगिकियां जोकि सामाजिक–पर्यावरण और सतत मुद्दों के प्रति जागरूक हैं, में पाठ्यक्रमों के सृजन के उद्देश्य से मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान में पाठ्यक्रमों को पाठ्यचर्या में उचित महत्व दिया गया। शीघ्र ही स्नातकोत्तर तथा डाक्टोरल कार्यक्रम आरंभ करने की योजना है।

आंध्र प्रदेश की सरकार तिरुपति को राज्य के ज्ञान हब बनाने का पौषण कर रही है। आईआईएसईआर तिरुपति का नया स्थायी परिसर आईआईटी तिरुपति के परिसर से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर होगा। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, श्री वेंकटेश्वरा मेडिकल कॉलेज, श्री वेंकटेश्वरा आयुर्विज्ञान संस्थान (एसवीआईएमएस), श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालयम और संस्कृत विश्वविद्यालय जैसी कई स्थापित संस्थाएं तिरुपति में स्थित हैं। इसके अतिरिक्त एक अगामी समेकित व्यापर शहर, श्री सिटी और सतीश धवन स्पेस सेंटर (एसएचएआर), श्री हरिकोटा संस्थान को एक तकनीकी दृष्टिकोण प्रदान करता है। तिरुपति के अपने अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे और चैन्नई तथा बंगलुरू से निकटता के साथ आंध्र प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शहर होने के नाते इसमें उत्कृष्ट कनेक्टीविटी है। कुल मिलाकर आईआईटी तिरुपति की एक अत्यंत ख्याति प्राप्त शैक्षिक एवं शोध संस्थान बनने की अत्यंत क्षमता है।

तिरूपति–रेनीगुंटा मार्ग पर अस्थयी परिसर

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- 9 जून, 2014–राष्ट्रपति के भाषण में नए आईआईटी की घोषणा
- 10 जुलाई, 2014–वित्त मंत्री द्वारा आंध्र प्रदेश में एक आईआईटी सहित पांच नए आईआईटी के लिए बजट घोषणा
- अक्टूबर, 2014–स्थल चयन समिति (एसएससी) का दौरा और सिफारिशें
- 19 दिसंबर, 2014–प्रभारी प्रोफेसर की नियुक्ति
- 28 मार्च, 2015–मानव संसाधन विकास मंत्री सुश्री स्मृति जूबिन इरानी द्वारा श्री चंद्रबाबू नायडू, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री वेंकेया नायडू, केंद्रीय शहरी विकास मंत्री, श्री वाईएस चौधरी, राज्य मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा श्री गंटाश्रीनिवासराव, तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री, आंध्र प्रदेश की उपस्थिति में आधारशिला रखा जाना।
- 1 जून, 2015–अस्थायी परिसर के लिए सीवीएस कृष्णा मूर्ति थेजा चैरिटी, तिरुपति से भवन किराये पर लेना
- 5 अगस्त, 2015–शैक्षिक कार्यक्रम का शुभारंभ
- 15 दिसंबर, 2015–आईआईटी तिरुपति सोसायटी का गठन

अस्थायी तथा स्थायी परिसर का स्थान

अस्थायी परिसर तिरुपति–रेनीगुंटा मार्ग पर स्थित है। यह तिरुपति शहर के केंद्र से 6 किलोमीटर, रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन से 4 किलोमीटर और तिरुपति हवाई अड्डे से 8 किलोमीटर दूर है।

अस्थायी परिसर में आधुनिक शिक्षण कक्षों और प्रयोगशालाओं जैसी सभी सुविधाओं का यह सुनिश्चित करने के लिए सृजन किया गया कि छात्रों का अनुभव सुस्थापित संस्थान के अनुभव से भिन्न न हो।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्थल चयन समिति (एसएससी) की सिफारिशों के अनुसरण में और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से आंध्र प्रदेश पुनगर्ठन अधिनियम, 2014 की धारा 93 के अनुसरण में मेरालपका गांव, येरपेडू (मंडल), चित्तूर जिला, आंध्र प्रदेश में एक स्थान पर आईआईटी तिरुपति की स्थापना करने का निर्णय लिया गया।

आंध्र प्रदेश की सरकार स्थायी परिसर के विकास के लिए 530 एकड की सीमा तक भूमि प्रदान कर रही है। यह भूमि येरपेडू–वेंकटगिरी मार्ग, तिरुपति शहर से 22 किलोमीटर और हवाई अड्डे से 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसमें दृश्य पहाडी पृष्ठभूमि है। 2017 में तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थायी परिसर में छात्रावास और अवर स्नातक भवनों को शामिल करते हुए एक ट्रांजिट कैम्पस का निर्माण करने का प्रस्ताव है। स्थायी परिसर के 2019 तक चालू होने की संभावना है।

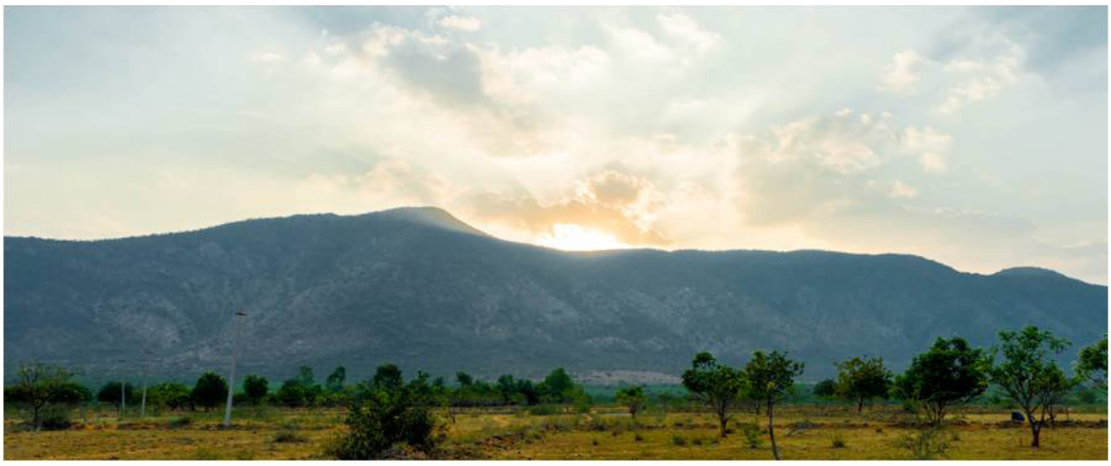

स्थायी परिसर स्थल का अवलोकन

अध्याय 2

अवसंरचना

अवसंरचना का सृजन काफी कम समय में किया गया। आईआईटी तिरुपति ने अवसंरचना अवर स्नातक पाठ्यक्रमों के शिक्षण के उद्देश्य से पुराने आईआईटी की अवसंरचना के समतुल्य है। अस्थायी परिसर में भवन को आईटी तिरुपति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काफी संशोधित किया गया। छात्रों को शिक्षण के लिए ईष्टतम वातावरण करने हेतु कई स्थापना कार्य किए गए।

शिक्षण कक्ष

नए संस्थान में शिक्षण कक्ष

आठ 60– सीटों के शिक्षण कक्ष और एक 120– सीटों का शिक्षण कक्ष तैयार किया गया तथा आवश्यक फर्नीचर लगाया गया। सभी शिक्षण कक्ष इंटरनेट पहुंच, प्रोजेक्टरों, स्क्रीन और ऑडियो सिस्टम के साथ डेस्कटाप कम्प्यूटरों से सुसज्जित थे। ध्वनि के वृद्धि के लिए समुचित उपाय किए हैं। एक 120–सीट वाले वचुर्अल शिक्षण कक्ष की स्थापना की गई है। एनकेएन के साथ 1 जीबीपीएस बैंडविथ कनेक्शन वाली वीडियो कांन्फ्रेसिंग सुविधाओं की स्थापना की गई थी।

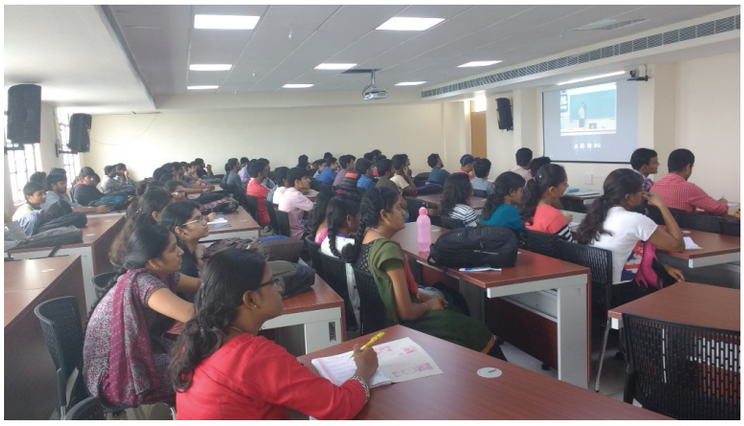

आईआईटी तिरुपति ने 120–सीट वाला शिक्षण कक्ष

प्रयोगशाला सुविधाएं

भौतिकी प्रयोगशाला

आरंभिक ध्यान प्रयोगशाला की स्थापना करने और अगस्त, 2015 में संस्थान में प्रवेश लेने वाले छात्रों के पहले बैच के लिए तैयार किए गए भौतिकी में स्थापना पाठ्यक्रम आरंभ करने पर था।

भौतिकी प्रयोगशाला में उपकरण

1. उपस्करों के साथ कम्पांउड पेंडुलम (पांच सेट)
2. अल्ट्रासोनिक इंटरफेरोमीटर (पांच सेट)
3. स्टीफन कांस्टेंट प्राप्त करने के लिए प्रयोगात्मक सेटअप (पांच सेट)
4. न्यूटन रिंग प्रयोग (छः सेट)
5. डिफरेक्शन ग्रेटिंग के साथ स्पेक्ट्रोमीटर (छः सेट)
6. इलैक्ट्रोड कांफीगुरेशन के साथ इक्वीपोंटेंशियल लाइनों की मैपिंग (पांच सेट)
7. डिजिटल आक्सीलोस्कोप (छः सेट)
8. उपस्कारों के साथ हॉल इफेक्ट उपकरण (पांच सेट)
9. एलईडी का प्रयोग करते हुए प्लांक कांस्टेंट (पांच सेट)
10. मेटलैब का प्रयोग करते हुए सिमुलेशन लैब (दस सेट)
11. फोर्ब मैथड उपकरण
12. डिजिटल टाइमर के साथ लिनियर एयर ट्रेक (एक)
13. टाइमिंग कार, प्लेन रैंप, उपस्कर, इनक्लाइंड प्लेन एस्सरी, कर्वड रैंप (एक)
14. कंडक्टीविटी के माप की चार–प्रोब पद्धति (चार सेट)
15. स्ट्रेस/स्ट्रेन माप के लिए स्ट्रेन गॉज (चार सेट)

लगभग दस प्रयोगों के सेट की योजना बनाई गई। कुछ प्रयोग परामर्शदाता संस्थान (आईआईटी मद्रास) से लिए गए और आवश्यक उपकरण प्राप्त किए गए। उपकरण नए संस्थान में पहले सेमेस्टर में प्रयोग किए जाने के लिए आईआईटी मद्रास ने रिकॉर्ड समय में तैयार किए गए।

भौतिकी प्रयोगशाला; आप्टीकल प्रयोग करते हुए छात्र

रसायन प्रयोगशाला

अवर स्नातक रसायन प्रयोगशाला की स्थापना जनवरी, 2016 में की गई थी। यह पूर्णतः हवादार है और इसमें नए तथा आधुनिक उपकरण हैं। प्रथम उपचार किट, साईनेज, अग्नीशमक, नेत्र शोधन फाउंटेन तथा सुरक्षा सॉवर सहित कई सुरक्षा विशिष्टाएं इसमें स्थापित की गई हैं। विभिन्न प्रकार के प्रयोगशाला–सृजित अपशिष्ट के निपटान की सुरक्षित अनुमत्य पद्धति की प्रणाली की स्थापना के जरिए पर्यावरणीय अपेक्षाओं को हल किया गया।

रसायन प्रयोगशाला

रसायन प्रयोगशाला में सामाजिक मुद्दों को हल करने वाले कुल 10 प्रयोग किए जाते हैं। ये प्रयोग अवर स्नातक इंजीनियरिंग छात्रों के लिए इच्छुक प्रैक्टीकल सत्रों के लिए तैयार किए गए हैं। इन प्रयोगों में से कुछ प्रयोग निम्न हैं:

1. ***जल गुणवत्ता*** नजदीक से लिए गए नमूनों की कठोरता
2. ***औशधी एस्परीन*** (दवा तैयार करना)
3. ***प्राकृतिक उत्पाद*** चार की पत्तियां (बाजार में उपलब्ध विभिन्न ब्रांड की चाय से कैफीन निकालना)
4. ***खाद्य जगत*** साइट्रस फल (विभिन्न फलों की एसिडिटी)
5. ***धातु जगत*** ब्रास (तांबा घटक)

रसायन प्रयोगशाला उपकरण

1. प्रयोगशाला फयूमहुड
2. कनडक्टिविटी मीटर
3. पीएच मीटर
4. मेगनेटिक स्ट्रीरर
5. प्रीपेरेटिव वेयिंग बैलेंस
6. एनालिटीकल वेयिंग बैलेंस
7. डिजिटल कैलोरी मीटर
8. हॉट लेट
9. मेलटिंग प्वाइंट अपरेटस
10. हॉट वाटर बाथ
11. आइस फुलेकर
12. वैक्यूम पम्प
13. डिसटिल्ड वाटर सिस्टम
14. हॉट एयर ऑवन
15. रोटरी इवापोरेटर
16. शीत जल के परिचालन हेतु चीलर

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना की गई है ताकि छात्र साफ्टवेयर आधारित प्रयोग और प्रोग्रामिंग कर सकें। यह प्रयोगशाला 60 आधुनिक ऑल–इन–वन डेस्कटॉप, दो लघु दृश्य प्रोजेक्टर और एक आडियों सिस्टम से सुस्सजित है। ऑटोडेस्क पैकेजिस सहित नवीनतम सिस्टम और साफ्टवेयर प्रयोगशाला, पुस्तकालय और संकाय कक्ष में स्थापित की गई।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला में कार्यरत छात्र

कार्यशाला

पहले सेमेस्टर में इंजीनियरिंग की सभी शाखाओं के लिए कार्यशाला प्रशिक्षण सत्रों का श्रीवेंकटश्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजन किया गया। न्यूमेटिक और हाइड्रोलिक प्रशिक्षण किट, एक प्लास्टिक इंजेक्शन मॉडलिंग मशीन और एफआरपी फेब्रीकेशन सुविधाओं सहित आवश्यक उपकरणों के प्रापण तथा स्थापना द्वारा आईआईटी तिरुपति में दूसरा सेमेस्टर कार्यशाला सत्र संचालित किया गया। कार्यशाला प्रेक्टिस के लिए एक बेसिक इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रानिक्स प्रयोगशाला और इंस्ट्रूमेंटेशन और संचार प्रयोगशाला की स्थापना की गई।

आईआईटी तिरुपति में कार्यशाला सत्र

पुस्तकालय

शैक्षिक और शोध कार्यक्रमों में सहायता प्रदान करने के लिए वर्ष 2015 में संस्थान में एक पुस्ताकलय की स्थापना की गई। इस पुस्तकालय का उद्देश्य आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्यों और छात्रों के प्रयोग के लिए दस्तावेजों का व्यापक संग्रह तैयार करना है। 31 मार्च, 2016 के अनुसार पुस्तकालय में इंजीनियरिंग, विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान से संबंधित लगभग 1300 पाठ्य पुस्तकें और संदर्भ पुस्तकें थीं। पुस्तकालय 30 लोकप्रिय पत्रिकाएं मंगवाता है और इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित चुनिंदा जर्नलों के अंक मंगवाता है। पुस्तकालय अधिगम संसाधनों के अपने संग्रह में वृद्धि कर रहा है। जिसमें मार्च, 2016 में 50 सीडी–रोम शामिल थे यह आधुनिक प्रौद्योगिकी की पुस्तकालय ऑटोमेशन प्रणाली से सुसज्जित है तथा कोहा ओपर सोर्स इंटीग्रेटिड लाइब्रेरी सिस्टम तथा एक ऑनलाइन पब्लिक पहुंच कैटालॉग (ओपीएसी) का प्रयोग करता है। पुस्तकालय दो डेस्कटॉप सिस्टम, एक बारकोड प्रिंटर, एक प्राप्ती प्रिंटर और एक बार कोड रीडर का प्रयोग करते हुए पुस्तकें इलैक्ट्रानिक रूप से जारी करता है।

पुस्तकालय राष्ट्रीय अवकाश के दिनों को छोड़कर सप्ताह में सातों दिन प्रातः 8:30 से सायं 09:00 बजे तक खुला रहता है। अधिक पुस्तकालय संसाधनों (पुस्तकों, जर्नलों इत्यादि) की आवश्यकता महसूस की गई और प्रापण प्रक्रिया आरंभ की गई।

संस्थान के पुस्तकालय का आंतरिक दृश्य

भोजन कक्ष सुविधा

संगत छज्ञत्रवासों में रसोई तथा भोजन कक्ष सुविधाओं को सृजन किया गया। संस्थान के भवन में लंच और चाय परोसने के लिए एक 120–सीट वाली भोजन कक्ष सुविधा की स्थापना की गई।

अस्थायी परिसर में भोजन कक्ष सुविधा

छात्रावास

पुरुषों को श्री वेंकटश्वरा विश्वविद्यालय से किराये पर लिए गए 21वीं सदी गुरुकुलम छात्रावास में ठहराया गया। यह छात्रावास संस्थान से 13 किलोमीटर एलीपीरी में स्थित है। महिलाओं को आईआईएसईआर तिरुपति के छात्रावास में ठहराया गया। छात्रावासों तथा संस्थान के बीच आने–जाने के लिए छात्रों के लिए संस्थान द्वारा परिवहन का प्रबंध किया गया।

छात्रावासों में वाई–फाई सुविधा, कपड़े धोने की मशीन, टी.वी., वाटर कूलर, वाटर हीटर, कम्प्यूटर कक्ष और जिम हैं। लडकों के छात्रावास के कॉमन रूम में चार डेस्कटॉप सिस्टम लगाए गए।

छात्रों के इंडोर तथा आउटडोर खेलों में भाग लेने के लिए सुविधाएं प्रदान की गई। भारतीय विद्या भवन से आईआईटी के छात्रों हेतु शाम को तथा सप्ताहंत में उनके ग्राउंड में क्रिकेट तथा फुटबाल खेलने की अनुमति प्राप्त की गई।

एक संकाय सदस्य, एक शिक्षण स्टाफ सदस्य और सहायक स्टाफ के एक सदस्य ने छात्रावासों में छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी ली।

अतिथि गृह

अस्थायी परिसर के नजदीक दो फ्लैट विजिटिंग प्रोफेसरों के लिए आवास तथा भोजन की सुविधाएं प्रदान करने के लिए किराये पर लिए गए। उनके आवास और भोजन की सुविधा तैयार की गई।

अतिथि गृह

सुरक्षा

संस्थान और छात्रावासों में चौबिसों घंटें सुरक्षा सेवा है।

डाटा नेटवर्क

समूचे कैम्पस के कवर करते हुए एक 1जीबीपीएस लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) स्थापित किया गया। रेलटेल से एक 45 एमबीपीएस इंटरनेट लीज्ड लाइन किराये पर ली गई।

बैंक

संस्थान में अपना बैंक खाता भारतीय स्टेट बैंक की शैट्टीपल्ली शाखा से संचालित किया। बैंक ने लगभग 30 छात्रों को ऋण स्वीकृत किया।

अस्पताल

चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए श्री वेंकटश्वरा आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति के साथ सभी छात्रों का पंजीकरण करवाया गया।

अध्याय 3

भौक्षिक कार्यक्रम

वर्ष 2015 (इसके आरंभ होने के समय) से आईआईटी तिरुपति में निम्नलिखित कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं:

सिविल इंजीनियिरिंग
कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग
इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग
मैकेनिकल इंजीनियरिंग

प्रत्येक कार्यक्रम में प्रवेश संख्या 30 छात्र है। अगस्त, 2015 में कुल 109 छात्रों ने संस्थान में प्रवेश लिया।

क्र.सं.	*श्रेणी*	*पुरुष*	*निःशक्त पुरुष*	*महिला*	*निःशक्त महिला*	*कुल*
1	सामान्य	42	2	7	–	***56***
2	एससी	11	–	6	–	***17***
3	एसटी	7	–	2	–	***9***
4	ओबीसी	27	1	4	–	***32***
	कुल	***87***	***3***	***19***	–	***109****

*प्रीपेरेटरी पाठ्यक्रम में दो अभ्यर्थियों को शामिल करते हुए।

अन्य शाखाएं तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रम तदंतर वर्षों में आरंभ किए जाएंगे।

आठ सेमेस्टर के लिए एक क्रेडिट आधारित पाठ्यचर्या अपनाई जाती है। प्रत्येक पाठ्यक्रम का लैटर ग्रेड के साथ 10–प्वाइंट ग्रेडिंग सिस्टम में मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) का निर्धारण किया जाता है।

आईआईटी मद्रास तथा अन्य आईआईटी के कुछ सर्वोत्तम संकाय सदस्य आईआईटी तिरुपति में पाठ्यक्रम पढाने में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

भौक्षिक उन्मुखी कार्यक्रम

शैक्षिक वर्ष उन्मुखी कार्यक्रम से आरंभ हुआ। छात्रों और उनके माता–पिता को आईआईटी तिरुपति में शिक्षा प्रणाली, आगामी कॉलेज के जीवन और इंजीनियरिंग के क्षेत्र से परिचित करवाया गया। मुख्य बैच का उन्मुखी कार्यक्रम 5 अगस्त, 2015 को आयोजित किया गया। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार, सुश्री स्मृति जूबिन इरानी ने वीडियों कांन्फ्रेसिंग के जरिए प्रमुख बैच का स्वागत किया और उन्हें संबोधित किया। श्री गंटा श्रीनिवास राव (मानव संसाधन विकास मंत्री, आंध्र प्रदेश सरकार), डॉ. संबाशिवा राव, आईएएस (एक्जिक्यूटिव अधिकारी, टीडीडी) श्री सिद्धार्थ जैन, आईएएस (कलेक्टर, चित्तूर जिला) प्रोफेसर भास्कर राममूर्ति (निदेशक, आईआईटी मद्रास) और आंध्र प्रदेश सरकार के बडी संख्या में प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उद्घाटन कार्यक्रम की शोभा बढायी और छात्रों को संबोधित किया। छात्रों से आईआईटी तिरुपति में उनकी आशाओं को व्यक्त करने के लिए कहा गया। भोजन उपरांत सत्र में छात्रों ने अपने शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण करवाया। भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों ने छात्रों को शैक्षिक ऋण का प्रस्ताव रखा।

(1) 'माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार, सुश्री स्मृति जूबिन इरानी दिनांक 5 अगस्त, 2015 को वीडियों कांन्फ्रेसिंग के जरिए छात्रों को संबोधित करते हुए' और (2) 'शैक्षिक उन्मुखी कार्यक्रम'

वर्ष के दौरान वार्ता

- डॉ. एलएस गणेश, प्रबंध अध्ययन प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास द्वारा दिनांक 27 अगस्त, 2015 को एक प्रेरक भाषण
- डॉ. महेश पंचगनुला, एप्लाइड मेकेनिक्स प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास द्वारा दिनांक 9 सितंबर, 2015 को नवाचार संबंधी एक भाषण
- प्रोफेसर रवि कुमान भास्करन, पूर्व डीन सतत शिक्षा एवं प्रधान क्यूआईपी समन्वयक, आईआईटी खडगपुर द्वारा दिनांक 10 फरवरी, 2015 को कैरियर विकास संबंधी एक भाषण
- प्रोफेसर देशदीप सहदेव, क्यूजर टैक्नोलॉजी और पूर्व प्रोफेसर, आईआईटी कानपुर द्वारा दिनांक 19 फरवरी, 2016 को 'हमारे बैकयार्ड में एटम का हलः वैश्विक जगत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी' शीर्षक की विशेष वार्ता
- प्रोफेसर एल. श्रीरामकुमार, आईआईटी मद्रास द्वारा दिनांक 1 मार्च, 2016 को 'अंतरिक्ष समय में लहरः विश्व की एक नई विंडो' शीर्षक का वैज्ञानिक दिवस लैक्चर
- श्री के. अनंत कृष्णन, मुख्य टैक्नोलॉजी अधिकारी, टाटा कन्सलटेंसी सर्विसिस (टीसीएस) द्वारा दिनांक 31 मार्च, 2016 को 'हाइपर कनेक्टिड जगत में प्रौद्योगिकी कैरियर' शीर्षका एक विशेष लैक्चर
- आईआईटी तिरुपति कैम्पस में एक पेन आईआईटी एल्युमिनी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक को संयुक्त रूप से प्रोफेसर सत्यनारायण, प्रभारी प्रोफेसर आईआईटी तिरुपति प्रोफेसर नागार्जन, डीन, एल्युमिनी मामले आईआईटी मद्रास द्वारा आयोजित किया गया।

पेन आईआईटी एल्युमिनी मीट, 2016 में एकत्रित समूह

श्री के. अनंत कृष्णन, मुख्य टैक्नोलॉजी अधिकारी टाटा कंसलटैंसी सविसिस (टीसीएस) छात्रों को लैक्चर प्रदान करते हुए।

बी.टेक के छात्रों के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता

क्र.सं.	छात्रवृत्ति का प्रकार	राशि	छात्रों की संख्या
1	उन छात्रों के लिए संस्थान की योग्यता–सह–साधन छात्रवृत्ति जिनके माता–पिता की आय 4.5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम है।	• 45,000 रुपए प्रति सेमेस्टर के ट्यूशन फीस के भुगतान से छूट • 12 माह के लिए 1000 रुपए	27
2	उन छात्रों के लिए संस्थान की छात्रवृत्ति जिनके माता–पिता की आय 4.5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम है।	• 45,000 रुपए प्रति सेमेस्टर के ट्यूशन फीस के भुगतान से छूट	4
3	एससी/एसटी छात्रवृत्ति	• 8,000 रुपए प्रति सेमेस्टर तक भोजनशाला प्रभारों में छूट • निःशुल्क आवास • 250 रुपए जेब खर्च	8

अध्याय 4

संगठन

प्रोफेसर भास्कर राममूर्ति, निदेशक, आईआईटी मद्रास भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति के परामर्शदाता निदेशक हैं। डॉ. के.एन. सत्यनारायण, प्रोफेसर आईआईटी, मद्रास को आईआईटी तिरुपति के प्रभारी प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है। आईसीएंडएसआर, आईआईटी मद्रास के साथ आईआईटी तिरुपति के नाम में एक प्रोजेक्ट खोला गया और प्रभारी प्रोफेसर को विभाग प्रमुख के अधिकार दिए गए।

संस्थान अधिनियम, 1961 में संशोधन लंबित रहने तक आईआईटी तिरुपति को 2015 की पंजीकरण संख्या 343 के साथ आंध्र प्रदेश सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 2001 के तहत पंजीकृत किया गया।

आईआईटी तिरुपति को शैक्षिक मामलों के संबंध में सलाह देने के लिए परामर्शदाता संस्थान, आईआईटी मद्रास के प्रोफेसरों के साथ सीनेट और शैक्षिक परिषद् का गठन किया गया।

भासी परिशद्/शासी बोर्ड, आईआईटी तिरुपति

श्री विनय भील ओबराय सचिव, डीएचई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	अध्यक्ष
श्री आर. सुब्रहमण्यम अपर सचिव (टीएस), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
प्रोफे. भास्कर राममूर्ति निदेशक, आईआईटी मद्रास	सदस्य
श्रीमती सुमिता डावरा सचिव, डीएचई, आंध्र प्रदेश सरकार	सदस्य–सचिव
श्रीमती दर्शना मोमाया डबराल संयुक्त सचिव एंड एफए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
श्रीमती तृप्ति गुरहा निदेशक (आईआईटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
प्रोफे. के.एन. सत्यनारायण प्रोफेसर प्रभारी	सदस्य

शासी बोर्ड की दिनांक 12 जनवरी, 2016 को आयोजित पहली बैठक के दौरान वित्त समिति तथा भवन एवं कार्य समिति का गठन किया गया।

वित्त समिति

श्री विनय भील ओबराय सचिव, डीएचई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	अध्यक्ष
प्रो. भास्कर राममूर्ति निदेशक, आईआईटी मद्रास	सदस्य
श्रीमती दर्शना मोमाया डबराल संयुक्त सचिव एंड एफए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
श्रीमती तृप्ति गुरहा निदेशक (आईआईटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
प्रो. के.एन. सत्यनारायण प्रोफेसर प्रभारी	सदस्य
प्रो. टी.एस. नटराजन रजिस्ट्रार (आई/सी), आईआईटी तिरुपति	सदस्य सचिव

भवन और कार्य समिति

प्रो. भास्कर राममूर्ति निदेशक, आईआईटी मद्रास	अध्यक्ष
मुख्य अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी, विजयवाडा	सदस्य
मुख्य अभियंता, एपीएसपीडीसीएल, तिरुपति	सदस्य
अध्यक्ष, इंजीनियरिंग इकाई, आईआईटी मद्रास	सदस्य
प्रो. के.एन. सत्यनारायण प्रोफेसर प्रभारी, आईआईटी तिरुपति	सदस्य
श्री रामानुजुन, पूर्व मुख्य इंजीनियर, डीएई	सदस्य
वरिष्ठ प्रोजेक्ट सलाहकार (परामर्शदाता), आईआईटी तिरुपति	गैर–सदस्य सचिव

सीनेट/अकादमिक परिशद्

प्रो. के. राममूर्ति डीन (अकादमिक पाठ्यक्रम), आईआईटी मद्रास	अध्यक्ष
प्रो. जी. गंगा राव रसायन विभाग, आईआईटी, मद्रास	सदस्य
प्रो. एम. थंबन नायर गणित विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
प्रो. एस. केसीविश्वनाथन भौतिकी विभाग	सदस्य
प्रो. डी. मालती मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी, मद्रास	सदस्य
प्रो. मनु संथाम सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, मद्रास	सदस्य
प्रो. पी. निवास कुमार कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, मद्रास	सदस्य
प्रो. हरिशंकर रामचंद्रन इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, मद्रास	सदस्य
प्रो. टी. सुदर्शराजन मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, मद्रास	सदस्य
प्रो. के. कृश्णा केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, मद्रास	सदस्य
प्रो. के.एन. सत्यनारायण प्रोफेसर प्रभारी, आईआईटी तिरुपति	सदस्य
प्रो. टी.एस. नटराजन प्रोफेसर भौतिकी, आईआईटी तिरुपति	सदस्य

संकाय सदस्य तथा गैर–संकाय पदों के अभाव में आईआईटी मद्रास तथा अन्य संस्थाओं के संकाय सदस्यों।

संकाय सदस्य

संकाय और गैर'–संकाय पदों की स्वीकृति के लंबित रहने तक आईआईटी मद्रास और अन्य संस्थाओं के वर्तमान में सेवारत और सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों ने आईआईटी तिरुपति में पाठ्यक्रम पढाए। इन संकाय सदस्यों में शामिल हैं:

डॉ. के.के. बालासुब्रमनियन
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
रसायन

डॉ. एस. सुब्रह्मणयम
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
रसायन

डॉ. जी. गंगा राव
प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
रसायन

डॉ. एम.एन.एस. राव
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
रसायन

डॉ. पी.आर. पार्थसारथी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
गणित

डॉ. जी. कामथ
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
गणित

डॉ. एस. राजेश
वरिष्ठ प्रोजेक्ट अधिकारी
गणित

डॉ. पी.सी. देशमुख
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
भौतिकी

डॉ. टी.एस. नटराजन
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
आईआईटी तिरुपति में पुर्ननियुक्त
भौतिकी

डॉ. कृष्णा
अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
केमिकल इंजीनियरिंग

डॉ. एन.एस नारायणस्वामी
प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग

डॉ. एन.एन. किशोर
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी कानपुर
मेकेनिकल इंजीनियरिंग

डॉ. वी. राघवन
एसोसियट प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
मेकेनिकल इंजीनियरिंग

डॉ. जी. वेंकटरमन
प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
मेकेनिकल इंजीनियरिंग

डॉ. के.एल. नारायण
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एसवी विश्वविद्यालय
मेकेनिकल इंजीनियरिंग

स्टाफ स्थिति

प्रशासनिक गतिविधियों के संचालन के लिए स्टाफ सदस्यों की अनुबंध के आधार पर तथा अन्य आईआईटी से प्रतिनियुक्ति के आधार पर भर्ती की गई।

उप लाइब्रेरियनः	1	(आईआईटी गुवाहाटी से प्रतिनियुक्ति पर)
वरिष्ठ प्रोजेक्ट सलाहकारः	2	
प्रोजेक्ट सलाहकारः	4	
वरिष्ठ प्रोजेक्ट अधिकारीः	1	
प्रोजेक्ट अधिकारीः	7	
प्रोजेक्ट एसोसिएटः	3	
कनिष्ठ सहायकः	1	(आईआईटी जोधपुर से प्रतिनियुक्ति पर)
वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायकः	5	
प्रोजेक्ट एटेंडेंटः	1	
कुलः	***25***	

अध्याय 5

छात्र गतिविधियां

15 अगस्त, 2015: स्वतंत्रता दिवस

आईआईटी तिरुपति को पहला स्वंतत्रता दिवस भव्य रूप से आयोजि किया गया। प्रो. सत्यनारायण, प्रभारी प्रो. ने राष्ट्रीय ध्वाजारोहण किया और छात्रों को संबोधि ात किया। प्रमुख बैच के 40 से अधिक छात्रों ने मार्चपास्ट में भाग लिया। छात्रों ने इस अवसर को यादगार बनाने के लिए संगीत के साथ देशभक्ति के गीत गाये।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

18 सितंबर, 2015: फ्रेशर्स नाईट

छात्रों ने कई सांस्कृतिक इवेंटों के साथ उत्साह पूर्वक फ्रेशर्स नाईट का आयोजन किया।

फ्रेशर्स नाईट समारोह

फ्रेशर्स नाईट समारोह

11 नवम्बर, 2015: दिवाली समारोह

यह आईआईटी तिरुपति के कैम्पस में एक असामान्य दिन था। वास्तव में यह दीवाली का दिन था परंतु इसका भिन्न तरीके से आयोजन किया गया। छात्रों का एक समूह अपने आरामदायी क्षेत्र से बाहर निकला और उसने कुछ वंचित बच्चों को सहायता की। इस दिन उन्हें यह महसूस कराया गया कि इंजीनियर होना मात्र असंख्य सिद्धांतों को समझना नहीं है अपितु दूसरों के दर्द को महसूस करना और उन्हें इक्ट्ठे लाकर तथा इस समारोह के दिन उनके साथ साझा करके दर्द को कम करने का प्रयास भी है।

अनाथालय में छात्र

छात्रों ने मदर टेरेसा फाउंडेशन जिसमें लगभग 100 बच्चे, बूढ़े, अनाथ रहते हैं अथवा जिन्हें उनके बच्चों ने छोड दिया है, के लिए भोजन प्रायोजित किया। वे 200 आत्माओं के लिए सांयकालीन स्नैक्स प्रायोजित करने के लिए शाम को अभय क्षेत्रम में गए। वहां उन्होंने उन्हें भोजन परोसा और बदले में उनके विचारों का अनुभव प्राप्त किया। कई आंखे नम हुई और कई हृदय सहानुभूति से पिघल गए।

तत्पश्चात् छात्रावास में लक्ष्मी पूजा की गई और आतिशबाजी की गई तथा डिनर का आयोजन किया गया। परंतु हृदयों में काफी गंभीरता थी। पिछले 12 घंटों में कुछ परिवर्तन हो गया था।

14 नवम्बर, 2015: अमारा राजा बैट्ररी सुविधाओं तक फील्ड दौरा

शैक्षिक कार्यक्रम के भाग के रूप में छात्रों को आईआईटी तिरुपति में अमारा राजा ग्रुप ऑफ कम्पनीज के स्वामित्व वाली ऑटोमोबाइल तथा इन्वर्टर बैट्ररी उत्पादन सुविधाओं तक ले जाया गया। छात्रों ने इसी ग्रुप के स्वामित्व वाले एक खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र का भी दौरा किया। ये सुविधाएं गाला व्यापार नाम से फल सघन बनाती है। छात्रों ने शोध एवं परीक्षण सुविधाओं का भी दौरा किया।

18 फरवरी, 2016: सतीश धवन स्पेस सेंटर का फील्ड दौरा

एक रॉकेट लांच देखने के लिए सतीश धवन स्पेस सेंटर, भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (इसरो), श्रीहरिकोटा का एक फील्ड दौरा किया गया।

शब्द इसरो प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्रीय गौरव की अनुभूति जगाता है और इसलिए यह आश्चर्यजनक नहीं है कि छात्र 18 फरवरी, 2016 को श्रीहरिकोटा में उनके लांच और सुविधाओं के विकास को देखकर काफी प्रसन्न हुए। लांच को देखना और उसी कक्ष में जाना जहां भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे व्यक्तियों ने राष्ट्र के सम्मान के लिए काम किया, स्वप्न साकार होने से कम नहीं था। उन्होंने यह जाना कि कैसे विभिन्न वैज्ञानिकों विषयों को मिश्रित किया जाता है और ऐसी दुर्लभ कृति तैयार की जाती है। उन्होंने यह जाना कि कैसे सेटेलाइट दूरसंचार तथा सूचना एकत्रित की जाती है और क्रिया कैसे घटित होती है।

19–20 फरवरी, 2016: आउटबाउंड प्रशिक्षण कार्यक्रम

फरवरी, 2016 में ले. कर्नल (सेवानिवृत्त) द्वारा एक आउटबाउंड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजि किया गया, छात्रों ने अपने इंडोर रुटीन में परिवर्तन का अनुभव किया और टार्जन जंप, मंकी क्रोल, ट्रस्ट फॉल, केटल पीलर रेस तथा दिन में स्नेक रेस जैसी मनोरंजन से भरपूर कार्रवाईयों में भाग लिया। इन कार्रवाईयों से विश्वास, आत्मविश्वास और टीम की भावना पैदा हुई। कार्रवाई के पश्चात् नेतृत्व क्षमता और समूह संस्कृति पर विचार–विमर्श किया गया।

26 जनवरी, 2016: गणतंत्र दिवस समारोह

आईआईटी तिरुपति में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन भव्य तरीके से किया गया। प्रो. सत्यनारायण, प्रभारी प्रोफेसर ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया और छात्रों को संबोधित किया। छात्रों ने इस अवसर को भव्य बनाने के लिए संगीत के साथ राष्ट्रीय एकता के गीत गाए।

गणतंत्र दिवस समारोह

सामाजिक सेवा

छात्रों ने इंजीनियरिंग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए दूसरे सेमेस्टर में स्थानीय सरकारी स्कूलों और दो केंद्रीय विद्यालयों का दौरा किया। उन्होंने स्कूली बच्चों को विज्ञान, गणित, अंग्रेजी और अन्य विषय पढाए तथा प्रो. नटराजन के दिशा–निर्देश में रोचक प्रयोगों का प्रदर्शन किया। आईआईटी के छात्रों ने संचार कौशल के साथ बच्चों की सहायता पर भी ध्यान केंद्रित किया।

स्कूली बच्चों को पढाना

ट्रेकिंग

तिरुपति दर्शनीय शेषचेलम पहाडियों के नजदीक स्थित है। ये प्रायद्वीपीय भारत की सबसे पुरानी पहाडियों में से एक है। यहा मौजूद पुष्पों में दुर्लभ और अनछूयी प्रजातियां मौजूद हैं। छात्रावास तथा स्थायी परिसर दोनों के स्थानों की पृष्ठभूमि में प्रचुर पहाडियां हैं जो लाल चंदन के अनुकूल है। ये पहाडियां अवकाश के दिनों में ट्रेकिंग की गतिविधियां आयोजित करने में सहायक हैं।

इस श्रंखला में पहला अनुभव मोलाकोना पहाडियों में 24 अक्तूबर, 2015 रहा। चट्टानी ढलानों में चढना चुनौतीपूर्ण था परंतु ट्रेकिंग करने वालों ने इसका आनन्द लिया। ट्रेकिंग के अंत में उन्होंने जल पूल में स्नान का आनन्द लिया।

दूसरा अनुभव 17 जनवरी, 2016 को तालाकोना पहाडियों का था। यहां चढाई सरल थी परंतु तब भी चुनौतीपूर्ण थी।

क्लब

छात्रों ने विभिन्न अतिरिक्त गतिविधियों के संचालन के लिए विभिन्न क्लबों और साक्षरता क्लब गठित किए।

आर्टिस्टा: यह कला क्लब है जो पैंटिंग, स्कैचिंग, क्राफ्ट तथा एक विषय के साथ कुछ शानदार सृजन की आवश्यकता को पूरा करता है।
संग्राम: यह गायन, कम्पोजिंग अथवा सृजन तथा कानो के लिए मधुर प्रस्तुति में इच्छुक व्यक्तियों की आवश्यकता को पूरा करता है।
सहयोग: यह क्लब आईआईटी तिरुपति के सबसे गौरवशाली अंश को पूरा करता है: इसके सामाजिक पहल–अनाथालय सहायता, स्कूल शिक्षण तथा अन्य।
फोटोग्राफी क्लब: फोटोग्राफी क्लब में फोटोग्राफी ड्राईव और स्वतंत्र क्लिक जैसे इवेंटों का आयोजन किया।

खेलकूद

21वीं शताब्दी गुरूकुलम छात्रावासों में बालीबाल, शटल बैडमिंटन तथा क्रिकेट नेट प्रैक्टिस के लिए मैदान तैयार किए गए। टेबिल टैनिस सुविधाओं तथा एक जिम सहित इंडोर खेल सुविधाएं भी तैयार की गई। छात्रों के लिए फुटबाल खेलने और अन्य एथलेटिक गतिविधियों के लिए छात्रावास से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर भारतीय विद्या भवन स्कूल के मैदान में अन्य एथलेटिक गतिविधियों का प्रबंध किया गया।

दिसंबर, 2015 में आईआईटी में आयोजित होने वाले अंतर–आईआईटी स्पोर्ट्स मीट में लगभग 15 छात्रों ने भाग लेने की योजना बनाई तथापि बाढ के कारण यह आयोजन निरस्त हो गया।

छात्रों ने स्वयं विभिन्न खेल इवेंटों का आयोजन किया। संस्थान दिवस समारोह में पुरस्कार आयोजि किए गए जिसका अप्रैल, 2016 को आयोजन किया गया।

अस्थायी परिसर में खेलते हुए छात्र

अध्याय 6

वित्तीय रिपोर्ट

आईआईटी तिरुपति का परामर्शदाता संस्थान होने के नाते आईआईटी मद्रास ने 3,17,79,367 रुपए के अग्रिम के जरिए वित्तीय सहायता प्रदान की। जबकि सभी प्रापण और संबंधित भुगतान तथा तदर्थ कर्मचारियों के वेतन का भुगतान आईआईटी मद्रास के औद्योगिक परामर्श एवं प्रायोजित शोध केंद्र (आईसीएंडएसआर) विंग द्वारा संचालित किया गया, प्रथम वर्ष के छात्रों ने ट्यूशन फीस के प्राप्ति, नियमित कर्मचारियों का वेतन और प्रथम वर्ष के छात्रों को छात्रवृत्तियों का भुगतान सीधे आईआईटी मद्रास के मुख्य लेखों द्वारा संचालित किया गया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 12.50 करोड रुपए का पहला अनुदान आईआईटी मद्रास के माध्यम से जारी किया गया और 5.50 करोड रुपए का दूसरा अनुदान सीधे आईआईटी तिरुपति के खाते में जारी किया गया जिसे मार्च, 2016 में भारतीय स्टेट बैंक, शैट्टीपल्ली शाखा में खोला और संचालित किया गया था।

चूंकि वर्ष 2015–16 के लिए सभी वित्तीय लेनदेन आईआईटी मद्रास और आईएसएंडएसआर द्वारा संचालित किए गए थे इसलिए प्राप्ति एवं भुगतान से संबंधित विवरण तथा वर्ष 2015–16 के लिए वार्षिक लेखे आईआईटी मद्रास के लेखों के समेकित भाग के रूप में आईआईटी मद्रास द्वारा तैयार किए गए थे। इनकी भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिनिधि द्वारा लेखा–परीक्षा की गई थी। इसकी प्रतियां संलग्न हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास
वर्श 2015–16 के लिए सहायता अनुदान विवरण (संशोधित लेखों पर आधारित)

रूपए करोड़ में

परियोजना का नाम जिसके लिए अनुदान प्राप्त हुआ है अथवा सामान्य अनुदान	*पिछले वर्श से आगे ले जाई गयी अनुदान की राशि*	*वर्श 2015–16 के दौरान प्राप्त अनुदान की राशि*	*आंतरिक राजस्व अर्जन*	*कुल*	*वर्श के दौरान प्रयुक्त राशि 2015–16*	*31.3.2016 के अनुसार अप्रयुक्त राशि जिसे अगले वर्श आगे ले जाया गया*
योजनागत अनुदान	(10.91)	177.50		166.59	194.33	(27.74)
गैर योजनागत अनुदान	1.82	240.00	50.24	292.06	318.48	(26.42)
परियोजनाएं	174.32	359.76	5.33	539.41	322.56	216.85
कुल	***165.23***	***777.26***	***55.57***	***998.06***	***835.37***	***162.69***
आईआईटी पालक्कड़–योजनागत अनुदान	–	25.00	0.23	25.23	10.74	14.49
आईआईटी तिरूपति–योजनागत अनुदान	–	18.00	0.28	18.28	8.96	9.32
सकल योग	***165.23***	***820.26***	***56.08***	***1,041.57***	***855.07***	***186.50***

29.09.2016

उप कुलसचिव (एफए)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–मद्रास
31.3.2016 को समाप्त वर्श के लिए
प्राप्ति भुगतान

आईआईटी तिरूपति लेखे
भारतीय स्टेट बैंक
राशि रूपए में

पिछला वर्श		चालू वर्श
	आरंभिक वर्श	
0.00	बैंक बकाया	0.00
0.00	निवेश	0.00
0.00	**कुल**	**0.00**
	प्राप्ति	
0.00	प्राप्त अनुदान ;2015.16द्ध	18,00,00,000.00
0.00	टयूशन फीस प्राप्ति	28,66,959.00
0.00	आईआईटी–एमए लेखे से ऋण	32,20,769.00
0.00	आईआईटी–एमएफ लेखे से ऋण	2,85,58,598.00
0.00	**कुल प्राप्ति**	**21,46,46,326.00**
0.00	**सकल योग**	**21,46,46,326.00**
	भुगतान	
0.00	प्रशासनिक व्यय	634.00
0.00	वेतन	63,54,366.00
0.00	छात्रवृत्ति	3,84,739.00
0.00	उपकरण	5,16,23,261.00
0.00	उपभोज्य	7,47,137.00
0.00	आकस्मिकता	1,35,83,810.00
0.00	यात्रा	25,64,835.00
0.00	घटक	8,190.00
0.00	अन्य	1,43,79,988.00
0.00	**कुल भुगतान**	**8,96,46,960.00**
	अंतिम बकाया	
0.00	नगद बकाया	15,000
0.00	बैंक बकाया	12,49,84,366.00
0.00	**कुल**	**12,49,99,366.00**
0.00	**सकल योग**	**21,46,46,326.00**

उप कुलसचिव (एफए)

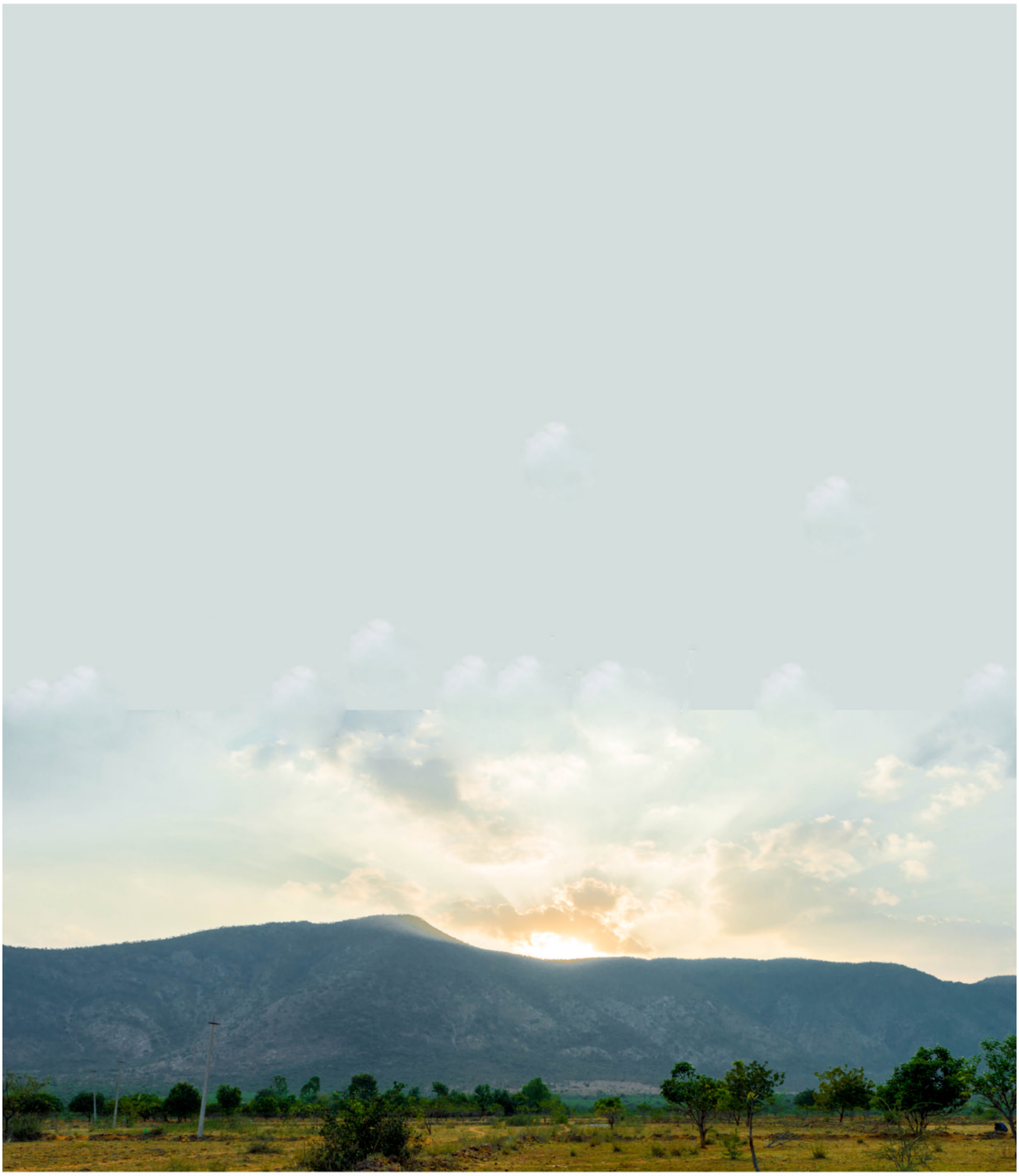

रेनीगुंटा सड़क, तिरुपति—517506, एपी.
Renigunta Road, Tirupati—517506, A.P.
www.iittp.ac.in